Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-202

नाटक एवं कथेतर साहित्य

M.A. Hindi (MAHL-12/16/17)

Second Year, Examination 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. हिंदी एकांकी के उद्‌भव एवं विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

2. नाटक के तत्त्वों के आधार पर मोहन राकेश के नाटक 'आधे-अधूरे' की समीक्षा कीजिए।

3. 'अशोक के फूल' निबन्ध के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी के संस्कृतिबोध की समीक्षा कीजिए।

4. कथेतर गद्य विधाओं से आप क्या समझते हैं? इसके अंतर्गत आने वाली विधाओं का वर्णन कीजिए।

5. यात्रा साहित्य के तत्त्वों के आधार पर 'नैनीताल में' यात्रावृत्त की समीक्षा कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. नाटक एवं एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. 'अंधेर नगरी' नाटक के युगबोध पर टिप्पणी लिखिए।

3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

4. 'आत्मकथा' और 'जीवनी' विधा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5. 'करूणा' निबंध की भाषा-शैली की विवेचना कीजिए।

6. 'अपनी खबर' आत्मकथा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. 'पथ के साथी' संस्मरण का मूल्यांकन कीजिए।

8. शुक्लयुगीन निबंधों पर प्रकाश डालिए।